दिनांक : 01 मार्च 2014

एसआरसीसी में मेरा अनुभव

– अरुण जेटली
राज्य सभा में विपक्ष के नेता

पिछले सप्ताह मैं अपने कॉलेज, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स गया जहां मैंने अंडर ग्रेजुएट छात्र के रुप में अपने जीवन के तीन सर्वश्रेष्ठ वर्ष बिताए थे। सत्तर के शुरुआती दशक में जब मैं वहां पढ़ता था, उस वक्त इस कॉलेज को बिजनस स्टडीज के अध्ययन के लिए एक प्रमुख संस्थान माना जाता था। आज भी इस कॉलेज ने अपनी उसी छवि को बरकरार रखा है।

मेरे वहां जाने का कारण "पोलीटीकल रुट्स" नाम के एक कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग थी। इस कार्यक्रम को एनडीटीवी न्यूज चैनल ने तैयार और बरखा दत्त ने एंकर किया है। इसकी रिकॉर्डिंग स्पोर्ट्स जिमनेजियम में हुई जिसे 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की प्रैक्टिस के लिए कॉलेज ने बनाया था। वहां मौजूद सौ से ज्यादा छात्र एक घंटे से ज्यादा समय तक मुझसे तरह–तरह के सवाल करते रहे। यह कहने की जरुरत नहीं है कि वहां मौजूद छात्र और अन्य दर्शक उत्तम थे। एसआरसीसी में उन्हीं बच्चों को दाखिला मिलता है जिनके अंकों का कुल प्रतिशत 96 प्रतिशत से ज्यादा होता है। जाहिर है कि इन दर्शकों में वही बच्चे थे जो विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में टॉपर रहे होंगे। इनमें से अधिकतर वित्तीय परामर्शदाता, मैनेजमेंट कंसलटेन्ट (प्रबंधन परामर्शदाता) और चार्टर्ड एकाउंटेंट बनना चाहते हैं। वे अर्थव्यवस्था की बढ़ती दुनिया में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

छात्रों ने मुझसे जो सवाल पूछे उनमें राजनैतिक कठिनाइयों, आर्थिक नीति, भ्रष्टाचार और विभिन्न नवीनतम घटनाओं से जुड़े सवाल शामिल थे। उनके मन में बहुत से मुद्दों को लेकर शंकाएं थीं जिन्हें दूर करने की जरुरत थी। कुछ ने मेरी पार्टी की तथाकथित कमियों का विश्लेषण किया और मुझसे उनके बारे में सवाल पूछे। विचार–विमर्श का माहौल बेहद सभ्य और गंभीर था। अगर किसी अतिथि को जानकारी और अनुभव न हो तो उसके लिए इन दर्शकों से निपटना बेहद मुश्किल हो जाता। कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के बाद मैं कॉलेज से दो बातें अपने मन में लेकर निकला। पहला, जो गहराई और गंभीरता मैंने इन लोगों के साथ बातचीत के दौरान महसूस की क्या वह कभी हमारे सांसदों में भी दिखाई दी है। दूसरा, अगर युवा पीढ़ी की यह क्वालिटी है तो भारत भविष्य में निश्चित तौर पर बेहतर बनेगा।

* * * * *